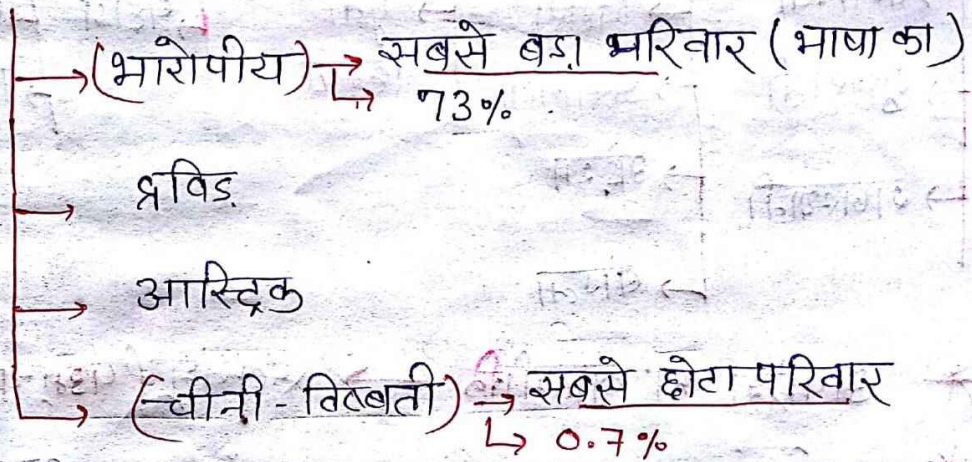


## हिन्दी भाषा का विकास :-

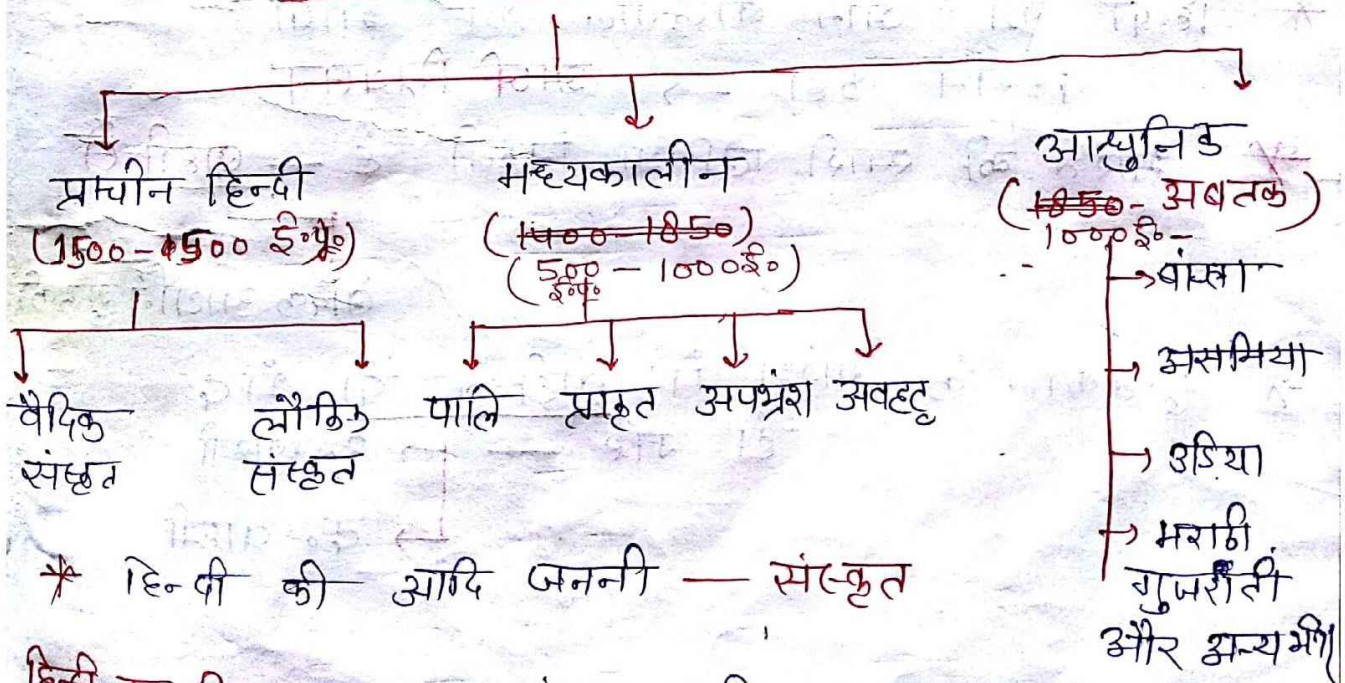
Imp one liner :-

- \* हिन्दी 3000 भाषाओं में से एक है।
- \* हिन्दी की आवृत्ति → विद्योगात्मक / विशिष्ट

भारत में हिन्दी भाषा के 4 परिवार हैं :-



हिन्दी काल 3 भागों में बँटा है :-



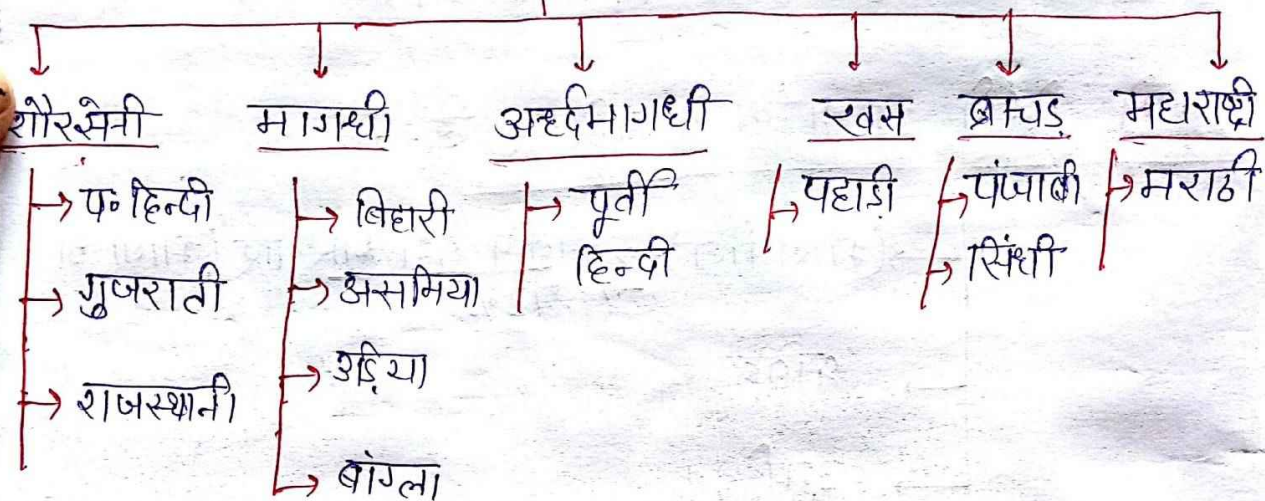
\* हिन्दी की आदि जननी — संस्कृत

हिन्दी का विकास क्रम → संस्कृत → पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ट → प्राचीन हिन्दी → प्रारंभिक हिन्दी



# अपभ्रंश से आधुनिक भारतीय भाषा का विकास -

## अपभ्रंश के भेद



\* अपभ्रंश का वात्सीकि → स्वयम्भू (पञ्च-चारिउ)

\* हिन्दी भाषा का शिशुकाल है — आदिकाल

\* 'हिन्दी' शब्द जिस भाषा का है — फारसी

\* हिन्दी को आम-बोलचाल की भाषा  
किसने कहा → जॉर्ज ग्रियसन

\* भारत की सारी लिपियाँ निम्नी हैं — ब्राह्मी से

बौद्ध आर्योने शुरू की

\* गुप्तकाल के आरंभ में ब्राह्मी के दो भेद  
हो गए —

→ ३. ब्राह्मी

→ ४. ब्राह्मी



## उत्तरी ब्राह्मी का स्वरूप :-

उत्तरी ब्राह्मी

↓  
गुप्त लिपि

↓  
सिद्धमातृका लिपि

↓  
कुटिल लिपि

नागरी

शारदा

गुरुमुखी

लहदा

शारदा

लाकरी

पश्चिमी शाखा

पूर्वी शाखा

देवनागरी

राजस्थानी

गुजराती

भुंथी

महाजनी

बांग्ला  
लिपि

असमिया

उडिया

## दक्षिणी ब्राह्मी का स्वरूप :-

दक्षिण ब्राह्मी

तेलुगु-कुन्नड़ लिपि

तमिल / कलिङ्ग लिपि

ग्रंथ  
लिपि

मलयालम  
लिपि

\* हिन्दी - हिन्दू - हिन्दुस्तान नारा दिया → प्रताप नारायण मिश्र

- ④ बिहारी
- मैथिली
  - मगही
  - भोजपुरी

Topic - मैम भोज (भोजन) खा ल

- ⑤ पहाड़ी
- कुमाउंनी
  - गढ़वाली
  - नेपाली



## वर्णमाला —

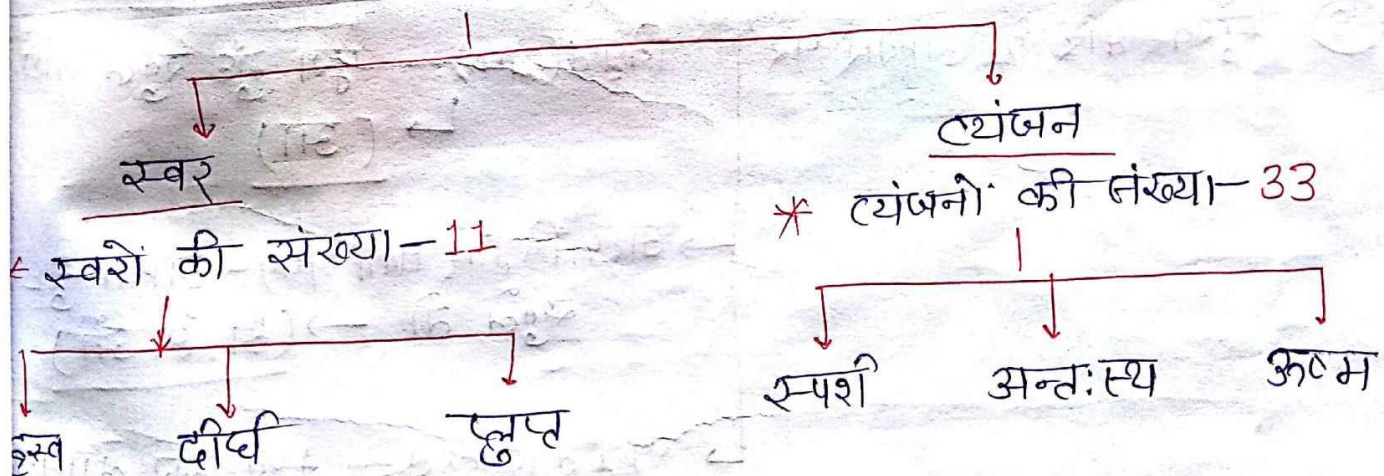
- \* भाषा की सबसे छोटी इकाई — वर्ण
- \* वर्णों के व्यवस्थित क्रम को कहते — वर्णमाला
- \* ध्वनि आवृत्ति का सूचक — प्लुप्त स्वर (SSS...)
- \* भाषा की साधक इकाई — वाक्य

## वर्ण और अक्षर में अन्तर —

→ वर्ण — क, ख, ग, घ — — —

→ अक्षर —  $(क + अ) = क$ ,  $(ख + अ) = ख$  — — —  
(वर्णों के खण्डन की अक्षर कहते।)

## वर्णमाला (52 वर्ण)





# स्वरों का उच्चारण स्थान के आधार पर — वर्गीकरण —

- ① मात्रा के आधार पर
- ह्रस्व स्वर — अ, इ, उ, ए
  - दीर्घ स्वर — आ, ई, ऊ (मूल पि)  
↳ ऋ, ॠ, औ, औ (मु)
  - लघु स्वर — (ऌ) ऽ ऽ ऽ

- ② जीभ के आधार पर
- अग्र स्वर — इ, ई, ए, ऐ
  - मध्य स्वर — अ
  - पश्च स्वर — आ, उ, ऊ, औ, औ

- ③ मुख-द्वार के आधार पर
- विवृत (Open) — पूरा मुँह खुल जाये  
↳ (आ)
  - अर्ध विवृत (Half Open) — आधा-मुँह खुले तो → (अ, ऐ, औ)
  - संवृत (Close) — मुख-द्वार लगभग बंद सा हो → (इ, ई, उ, ऊ)
  - अर्ध संवृत (Half Close) — मुख-द्वार लगभग आधा बंद — (ए, ओ)



④ ओष्ठों की स्थिति के आधार पर

अवृत्तमुखी  
(अ, आ, इ, ई, ए, ऐ)

वृत्तमुखी  
(उ, ऊ, औ, औ)

नासिका के आधार पर

अनुनासिक - अ, आ, इ, ई

अनुनासिक - अँ, आँ, ईँ

Note → अन्य 2 स्वर और हैं - अँ, अः (अयोगवाह कहते हैं)  
(अनुस्वार/विलग)

सारे स्वरों को सघोष खनि कहते हैं।

अन्य ⇒ स्वरों का वर्गीकरण -

अ, आ, अः → कंठ

इ, ई → तालु

उ, ऊ → मूर्ध्ना

औ, ~~हँ~~ औ → अप्रदीतो - कंठोष्ठम

ए, ऐ → प्रदीतो कंठ-तालु



## — व्यंजनों का वर्गीकरण —

### (1) स्पर्शव्यंजन —

सूत्र

कण्ठ → कवर्ग, ह → अकुह विध्विनीयनाम् कण्ठः  
तालु → चवर्ग, य, श → इचुयशानां तालुः  
मूर्ध्नि → टवर्ग, र, ष → तट्टुटुरषानां मूर्ध्निः  
दन्त → तवर्ग, स, ल → त्तुल्लसानां दन्तः  
ओष्ठ → घवर्ग → उपपृथ्व्यानीयानां ओष्ठौ  
दंतोष्ठ → व, फ → वकारस्य दंतोष्ठम्

### (2) अन्तःस्थ व्यंजन → य, र, ल, व

→ अर्धस्वर — य, व  
→ लुठित — र (संक्षिप्त)  
→ पार्श्विक — ल

### (3) उष्म व्यंजन/संघर्षी — श, ष, स, ह

⇒ उत्क्षिप्त/द्विगुण व्यंजन → ड, ढ

⇒ आगत/गृहीत स्वर → क, ख, ग, ङ, फ

⇒ स्पर्श संघर्षी → चवर्ग

⇒ संयुक्त व्यंजन → क्ष (क+ष)  
त्र (त+र)  
ज्ञ (ज+ञ)



⇒ वत्सर्ग : — र, ल, स, न

\* अद्योष : — वर्ग 1, 2 वर्ग + (श, ष, स)

\* सद्योष : — वर्ग 3, 4, 5 वर्ग + (य, र, ल, व) + सारे स्वर +  
ह + अतिक्षर (द, ड.)

\* आल्पभ्राण : — 1, 3, 5 वर्ग का वर्ग + (य, र, ल, व) + ड.

\* महाभ्राण : — 2, 4 वर्ग का वर्ग + (श, ष, स, ह) + द.

\* स्वतंत्रमुखी (काकल्ल) : — ह